B. A. Part - I
Economics Honours
Micro Economics,
Paper - 1

Topic - Static and Dynamic Economics

Meaning of Static and Dynamic Economics

स्थैतिक अर्थव्यवस्था का अर्थ (Meaning of Static Economics)

भौतिक विज्ञान में स्थैतिक (Static) शब्द से अभिप्राय की उस स्थिति का बोध होता है जिसमें कोई गति नहीं होती किन्तु अर्थशास्त्र में स्थैतिक (Static) शब्द गति रहित मृतवत अर्थव्यवस्था की ओर संकेत नहीं करता वरन एक ऐसी अर्थव्यवस्था का द्योतक है जिसमें गति तो है किन्तु यह गति सदा एक समान नियमित एवं शान्तिपूर्ण रहती है। इस प्रकार अर्थशास्त्र में स्थैतिक एक ऐसी दशा है जिसमें प्रतिदिन, प्रतिवर्ष कार्य समान गति से सरलतापूर्वक चलता रहता है। प्रो० पीगू (Prof. Pigou) का यह कथन इस सन्दर्भ में विशेष महत्वपूर्ण है. "जिन बूंदों से मिलकर झरना बनता है, वे सदा बदलती रहती है किन्तु झरना अपरिवर्तित ही रहता है।" इस प्रकार स्थैतिकता की दशा में परिवर्तन तो होते है लेकिन वे महत्वपूर्ण नहीं रहते है। इस प्रकार स्थैतिक (Static) अर्थव्यवस्था में गति तो होती है लेकिन गति की दर (Rate of movement) में कोई परिवर्तन नहीं होता और अर्थव्यवस्था में नियमितता एवं निश्चितता होती है अथवा अनिश्चितता का अभाव (absence of uncertainty) पाया जाता है। प्रो० मार्शल (Prof. Marshall) के अनुसार भी इसी सक्रिय लेकिन अपरिवर्तनशील प्रक्रिया को स्थैतिक अर्थशास्त्र (Static Economics) कहा जा सकता है। Prof. Marshall द्वारा अपनी पुस्तक 'Principle of Economics' में प्रतिपादित 'स्थिर अवस्था (Stationary State) की व्याख्या

Scanned by TapScanner

इसी स्थैतिक अर्थशास्त्र का द्योतक है, यह 'स्थिर अवस्था' वह है जिसमें रुचि, साधन एवं तकनीक (taste, resources and technology) में समय के साथ परिवर्तन नहीं होता है। टिनबर्जेन (Tinbergen) के अनुसार भी स्थायी अवस्था की मान्यता पर आधारित आर्थिक सिद्धांतों को आर्थिक स्थैतिकी (Economic Statics) की संज्ञा दी जा सकती है। चूँकि आर्थिक स्थैतिकी के अन्तर्गत उत्पादन की दर में कोई परिवर्तन नहीं होता तथा कुछ शांत एवं नियमित परिवर्तन की उपस्थिति होते हुए भी सामान्य सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ अपरिवर्तित रहती है यानी इसमें कोई भी परिवर्तन का अभाव पाया जाता है, इसके अन्तर्गत समय का अध्ययन उतना महत्वपूर्ण नहीं होता। इसलिए प्रो॰ हिक्स (Prof. Hicks) ने कहा है, - "मैं आर्थिक सिद्धांत के उन भागों को आर्थिक स्थैतिकी कहूँगा जिनमें तिथिकरण (dating) की आवश्यकता नहीं पड़ती।" (I call Economic Statics those part of economic theory where we do not trouble ourselves with dating).

प्रावैगिक अर्थशास्त्र अथवा आर्थिक प्रावैगिकी का अर्थ (Meaning of Dynamic Economics or Economic Dynamics) :- जहाँ स्थैतिक अर्थशास्त्र में परिवर्तनों का अभाव पाया जाता है वहाँ प्रावैगिक अर्थशास्त्र (Dynamic Economics) अर्थशास्त्र का सम्बन्ध उस स्थिति से है जिसमें 'उत्पादन की दर' में सदा परिवर्तन होते रहता है। वास्तव में इसका सम्बन्ध निरन्तर परिवर्तनों तथा उन परिवर्तनों को प्रभावित करनेवाले

Scanned by TapScanner

तत्वों अथवा परिवर्तन की प्रक्रिया से है, प्रो हैरॉड (Prof Harrod) के अनुसार, प्रावैगिक अर्थशास्त्र (Dynamic Economics) वैसी अर्थव्यवस्था का अध्ययन करता है जिनमें उत्पादन की दर में सदैव परिवर्तन होते रहता है, उनके शब्दों में "प्रावैगिक का सम्बन्ध मुख्यत: निरन्तर परिवर्तनों के प्रभावों तथा निर्धारित किये जाने वाले मूल्यों में परिवर्तन की दर से है।" (Dynamics will specially be concerned with the effects of continuing changes and with rates of changes in the values that have to be determined.).

प्रो० जे० के मेहता (J. K. Mehta) के अनुसार भी, एक गतिशील विज्ञान वह है जिसका सम्बन्ध समय एवं परिवर्तन की धारणाओं से है .... हम कह सकते है कि प्रावैगिक अर्थशास्त्र या प्रावैगिक वह गतिशील है जिसमें परिवर्तन होता है तथा स्थैतिक (static) वह है जिसमें परिवर्तन नहीं होता। Prof. J. B. Clark के अनुसार एक गतिशील अथवा प्रावैगिक अर्थव्यवस्था मे निम्नलिखित पाँच परिवर्तन पाये जाते है—

(1) जनसंख्या में वृद्धि होती है;

(2) पूँजी में वृद्धि होती है;

(3) उत्पादन के तकनीक मे सुधार होता है,

(4) औद्योगिक संस्थानो के रुप में परिवर्तन होता होता है जिससे कम कुशल सँस्थाएँ समाप्त हो जाती है और अधिक कुशल संस्थाएँ जीवित रहती है,

(5) उपभोक्ताओं की आवश्यकता में वृद्धि होती है।

Scanned by TapScanner

प्रो० क्लॉर्क (Clark) के अनुसार एक स्थैतिक अर्थव्यवस्था में उपर्युक्त पाँच प्रकार के परिवर्तन का सर्वथा अभाव रहता है। चूँकि प्रावैगिक अर्थव्यवस्था का सम्बन्ध उस समय एवं परिवर्तन से है अतः प्रो० हिक्स (Prof- Hicks) के अनुसार प्रावैगिक अर्थशास्त्र (Dynamic Economics) "आर्थिक सिद्धांतों का वह भाग कहते हैं जिसमें सभी मात्राओं का तिथिकरण अवश्य होना चाहिए।" (that part of economic theory in which all quantities must be dated).

इस प्रकार जहाँ प्रावैगिक अर्थशास्त्र (Dynamic Economics) का सम्बन्ध समय की अवधि (Period of time) से होता है, वहाँ स्थैतिक अर्थशास्त्र में क्रम एवं समय का महत्वपूर्ण नहीं होना तथा इसका सम्बन्ध किसी विशेष समय-बिन्दु (Point of time) अथवा किसी समय-विशेष स्थिति से होता है। प्रावैगिक अर्थशास्त्र में क्रम एवं समय का अंतर बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। पुनः स्थैतिक अर्थव्यवस्था में हम संतुलन की अंतिम स्थिति final Position of equilibrium) निर्धारित करते हैं जबकि प्रावैगिक अर्थशास्त्र में हम विभिन्न समयावधियों में संतुलन की विभिन्न अवस्थाओं का निर्धारण करते हैं।

Munmun Choudhary
Asst. Prof.
Department of Economics
A. S. College Bikramganj.

Scanned by TapScanner